राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना, राजस्थान

''अन्तर्गत कराये गये कार्यो की सफलता की कहानी''

कार्य का नाम :– ***नवीन पोखर निर्माण बरोलीपुरा***
गॉव का नाम :– अहमदपुर(बरोलीपुरा) ग्राम पंचायत :– खानपुर मीणा
स्वीकृत राशि :– 17.79 पंचायत समिति :– बाड़ी
व्यय राशि :– 0.50 जिला :– धौलपुर
श्रजित मानव दिवस :– 500
कोड संख्या :– 11049

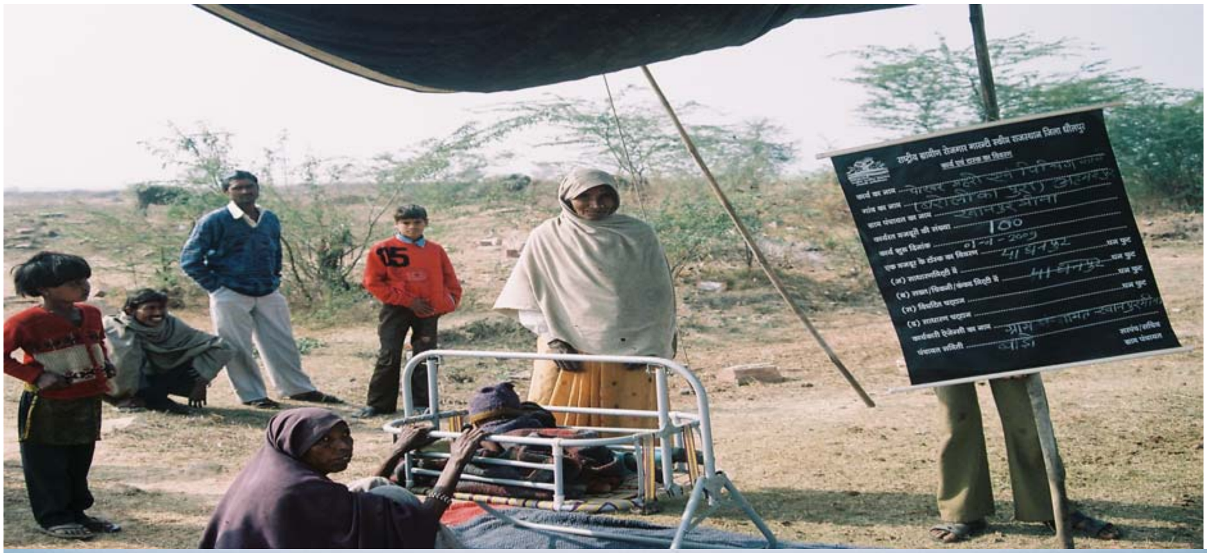
100

<u>**गॉव की भौगोलिक स्थिति**</u> :— जिला मुख्यालय से 30 एवं ब्लॉक मुख्यालय से 7 कि.मी दूर बिल्कुल पथरीले इलाके में स्थित गॉव अहमदपुर (बरौलीपुरा) में अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति के लोग रहते है जो ग्राम पांचात खानपुर मीणा पंचायत समिति बाड़ी जिला धौलपुर के डांग कहे जाने वाले इलाके से नजदीक होने के कारण अधिकतर लोग खनन एवं पशुपालन कार्य करते है या फिर रोजगार की तलास में अन्यंत्र बड़े शहरो में जाते है।

इस गॉव की अधिकतम भूमि समतल नहीं होने के कारण पानी का भराव भूमि में नहीं हो पाता है। जिसके कारण यहॉ अधिकतर भूमि कृषि हेतु उपयोगी नही है। जिस गॉव में सड़क,बिजली, एवं संचार आदि की मूलभूत सुविधा नहीं है। इसलिए यहॉ के लोग न चाहते हुए भी रोजगार के के लिए अन्यन्त्र चले जाते है या फिर आपराधिक प्रवृति अपनालेते है।

आज राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजनान्तर्गत कराये पोखर खुदाई कार्यो से इन लोगों को न केबल गॉव में ही रोजगार उपलब्ध हुआ है, बल्कि गॉव की ढाचागत मूलभूत पानी की समस्या का निश्चित ही निदान होगा क्योंकि जहॉ दूर—दूर तक पीने के लिए भी पानी उपलब्ध नहीं था वहॉ अगर तालाब खुद जाये तो पशु ही

नही मनुष्य भी अपने पीने के पानी की पूर्ति कर सकेगे पोखर/तालाब में पानी की मात्र अधिक होने पर इस पानी को कृषि के उपयोग में भी लिया जा सकेगा पानी के पहले से उपलब्ध अन्य साधनों कुआ आदि का जलस्तर बढ़ेगा पानी एक जगह रूक जाने से मिटटी के कटाव को रोकने के साथ–2 विअर्थ में बह जाने वाले पानी को संचय किया जा सकेगा जो समय पर काम आयेगा जो कृषि एवं पशुपालन के लिए बहुत ही लाभकारी होगा। पोखर गॉव के वाहर एवं पथरीले क्षेत्र में होने के कारण यह पोखर गॉव को सुन्दर बनाती है। इस योजना से लोगो पर कई सकारात्मक प्रभाव पड़े है। जो निम्न है।

सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव :–

1. गॉव के प्रत्येक परिवार को 100 दिन का रोजगार गॉव में ही उपलब्ध होने से गॉव से अन्यंत्र जाने वाले लोगो में निश्चित ही कमी आयेगी।
2. गॉव में रोजगार उपलब्ध होने से गरीब किसानों को दो तरफा आय वृद्धि होगी एक तो रोजगार के लिए अन्यत्र जाने वाला समय बचेगा और दूसरे कृषि कार्य समय पर करने से उनकी उत्पादन क्षमता में बृद्धि होगी।
3. मिटटी का कटाव रूकने के कारण कृषिभूमि में इजाफा होगा।
4. गॉव की आधारभूत ढाचागत समस्या का समाधान हुआ है।
5. कार्य का भुगतान नगद न होकर पोस्ट ऑफिस के माध्यम से होने से बीच में होने वाला भ्रष्टाचार रूकेगा।

6. गॉव के कई ऐकल परिवार गरीब,विधवा महिला एवं अन्य को रोजगार गॉव में ही उपलब्ध होने से कभी भी कोई भुगखमरी जैसी समस्या उत्पन्न नहीं होगी।
7. गॉव में ही रोजगार उपलब्ध होने से गॉव की ऐसी महिलायें भी काम कर सकती है। जो अन्यत्र जाने में झिझकती थी।